जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

2 ब

जैन विद्या भाग-2

समय : 2½ घण्टा | प्रश्न पत्र : भाग-ब | पूर्णांक 70

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

A. लघुत्तरात्मक प्रश्न (कोई दस) *10×3= 30 अंक*

1. मुख्य जैन पर्वों का नामोल्लेख करते हुए इन्हें मनाने की तिथियां बताएं।
2. साधु साध्वियों के सत्ताईस गुणों का नामोल्लेख करें।
3. आचार्य भिक्षु ने भारमलजी के लिए तेले का दंड क्यों निश्चित किया?
4. नरकगामी एवं स्वर्गगामी कौन होता है?
5. धरणेन्द्र और पदमावती किसका नाम था?
6. आश्रव और संवर किसे कहते हैं?
7. आचार्य भारमलजी के शासन काल में कितने साधु साध्वियां दीक्षित हुए?
8. पच्चीस बोल का तेरहवां बोल लिखें।
9. भरत चक्रवर्ती को केवलज्ञान कैसे हुआ?
10. वाणी का प्रयोग कैसे करना चाहिए?
11. अस्तिकाय किसे कहते हैं?
12. भगवान पार्श्व की आयु कितनी थी? उनके विहार क्षेत्र कौन-कौन से थे?

B. निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। (कोई पांच)

5×8= 40 अंक

1. अर्हत वंदना का आत्म विजय सूत्र अर्थ सहित लिखें।
2. प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव पाठ में वर्णित जानकारी अपने शब्दों में लिखें।
3. आचार्य का निर्वाचन कौन करता है? तेरापंथ की मुख्य मर्यादाओं के बारे में लिखें।
4. जयाचार्य का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखो।
5. 'अर्हन्नक की आस्था' कहानी को अपने शब्दों में लिखो।
6. तत्त्व कितने हैं? नाम बताते हुए किन्ही चार तत्त्वों का वर्णन करें।
7. 'अमर रहेगा धर्म हमारा' गीतिका का तीसरा चौथा पद ध्रुव पद सहित लिखें।